

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म०प्र०)

क्रमांक / अकादमिक / अ०भा० / 2021 / 1054

रीवा दिनांक 5-8-21

अधिसूचना

आदेशानुसार मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 28 के अन्तर्गत समाजविज्ञान संकाय अन्तर्गत प्रा०भा०इति०सं० एवं पुरातत्व के अध्ययन मण्डल का गठन निम्नलिखित रूप से किया जाता है। अधिनियम की धारा 28(4) के अन्तर्गत अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल की कार्यावधि इस अधिसूचना प्रसारण दिनांक से तीन वर्ष की होगी :-

प्रा०भा०इति०सं० एवं पुरातत्व अध्ययन मण्डल

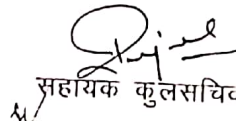
अधिनियम	28(2) एक	1	प्रो० सी०डी० सिंह, आचार्य, प्रा०भा०इति०सं० एवं पुरातत्व विभाग, अ०प्र० सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म०प्र०)
		2.	प्रो० महेशचन्द्र श्रीवास्तव, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रा०भा०इति०सं० एवं पुरातत्व विभाग, अ०प्र० सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म०प्र०)
	28(2) दो	1.	रिक्त
		2.	रिक्त
	28(2) तीन	1.	रिक्त
	28(2) चार	1.	रिक्त
		2.	रिक्त
	28(2) पाँच	1.	प्रो० नागेश दुवे, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रा०भा०इति०सं० एवं पुरातत्व विभाग, डॉ० हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म०प्र०)
		2.	डॉ० मोहन लाल चढार, आचार्य, प्रा०भा०इति०सं० एवं पुरातत्व विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक

अधिनियम 28(3) के अन्तर्गत प्रो० सी०डी० सिंह को प्रा०भा०इति०सं० एवं पुरातत्व के अध्ययन मण्डल का अध्यक्ष नाम निर्देशित किया जाता है।


कुलसचिव 5.8.21

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :-

1. कुलाधिपति के प्रमुख सचिव, राजभवन भोपाल (म०प्र०)
2. आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन, सतपुड़ा भवन, भोपाल (म०प्र०)
3. अध्ययन मण्डल के समस्त सदस्यगण।
4. संकायाध्यक्ष, समाजविज्ञान संकाय।
5. कुलसचिव, मध्यप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय।
6. निर्देशक, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमिक रविन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल (म०प्र०)
7. कुलपति जी के सचिव/कुलसचिव के निज सहायक


सहायिक कुलसचिव (अकादमिक)